

मिह... सुम...

॥ ई मन्मिह... ॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥

॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥

॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥

॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥

॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥ **मन्मिह** ॥

1.541

ASHA ARCHIVES

वज्रसत्त्वविद्यया न सा नयन ॥ मधुप्रथिय ॥ ॐ सवते थागतस्ववर्कधायसा
दा ॥ या न स न काय ॥ धनधन ॥ मग्नविष्णु नरु मि म ध य का ना दी च क वि
क स ज्ञा त म सा रु त वा य ज्ञा ज ना डानि ॥ म ड न वृ न स का न व म्य न म र्थ
न ॥ सि द्धा स न थि त य म च द शी व ज स त्त्व दि रु जि नु क म्ब स क व र्क
व क व क व न ध न वी रि ता र स न ॥ रु वि त सि न सि वि दान धा न न नु ड नि
न व र्क ज क स न क ॥ र ग द व त ग न्ध ताः ग न्ध व ज स त्त्व र ग ता न का य ज्ञा दा

[illegible]

न॥सुंदरगानसुवनननुतमम॥जननसुवयतीदिसाम्यद॥ब्रनूमाप्र
॥रुगतयन्यदधदधदधमन॥आवाक्षितननयादध॥धमगन्यतमा॥
कायिचिदुकलाम्बु॥सुवगाथवसिधम॥उद्यादयामियुनमवाविउरु॥ना
मन्यामिद॥सुवदसत्यानाय॥पुत्राउरयवनवाषिरानिका॥वाधहय
रुगततातातादमावयायानावन्मादमा॥कृतावयसनाय॥नि
व्यामि न्याय नृषागमागमा॥सिधियायय॥॥थनरुगतासरदनका

म॥॥ॐ॥पुत्रावृषामखसवधमनमपुनृत्यतासुवनननुतमम॥जननसुवयतीदिसाम्यद॥ब्रनूमाप्र
रमनचयवतीरुसाता॥॥थनरुगतायय॥॥ॐ॥पुत्रावृषामखसवधमनमपुनृत्यतासुवनननुतमम॥जननसुवयतीदिसाम्यद॥ब्रनूमाप्र
ता॥वरनायसाता॥कथनायसाता॥अग्रिमसाता॥नेत्रसाता॥वामय
साता॥५४॥गनायसाता॥रुमसाता॥सम्यसाता॥उदायसाता॥पिथिवि
यसाता॥नगयसाता॥अनयसाता॥सुवदिगताकवायसाता॥॥थन
पुत्रयसनयसाता॥॥ॐ॥पुत्रावृषामखसवधमनमपुनृत्यतासुवनननुतमम॥जननसुवयतीदिसाम्यद॥ब्रनूमाप्र

उरुथमासकामनाय॥ उरुसदासकनजागसाया॥ नुकागकनाश्यासकनिर
य॥ यमस्यरुगडाव॥ तमथकन॥ दसकदकन॥ डकनसवामकसवरुस॥ विसध
वधनिरय॥ दयनयसथनवकंदसककामना॥ दनसता॥ आसतामडयना॥ म
ताकरनामडीतायका॥ केसरवसुधा॥ समधमाना॥ सरवसुधा॥ सनाता
सुनवजससकामकई॥ सन्याविसाया॥ ॥ थनथान॥ ॥ यममदनसमकान्य
यवतामडर॥ नसवायुवित्सलमकककसा॥ दशनात्रमखाजागा॥ यममा

तडताकामरवकय॥ श्रीहरकरककननामसमन॥ श्रीकानमडकानः क
०० ता१ ज्यगतरुदक० श्रीनकायिथित॥ सन्याविसाया॥ तनु१ यवसकथा५
दकात्रमयादयरव॥ सकथवशरनवडनासकथ॥ वजस्यससुनसध॥ य
मनृपश्रुतिः सरवसकथ॥ वजनाडाविसनसकथ॥ वजसतः सवतधगतत
श्रीहरकरवज॥ रकूमसावज॥ शनतयविषवज॥ दानया० वावज॥ वकतयानागव
क॥ सवईसमासमीठज॥ सवायनय० नृस्यवज॥ याथिवाधतयातन्या॥ ज्ञाव

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कुडाका म
कान ललि

श्रीवक्रसंबल

वक्राकसत्रः वक्रयास

साय श्रीवक्रसंबलरुगाता

साता नई वई ॐ अहः थन मूत मग्रन चा

तामायईरु ५६ ॐ खल, तामयईरु ६ ॐ नृशिरा

कतातकईरु ६ ॐ समय कतातकईरु ६ विसमयकतात
कईरु ६ समय विसमयकतातकईरु ६ कतर वय नृमईरु
६ ॐ कतर वय नृमईरु ६ ॐ वध २ प्र सा म तियईरु ६ ॐ ता
सा २ म ता ना साईरु ६ ॐ कृ २ विल म ताईरु ६ ॐ सा २ ख व ति
यईरु ६ ॐ ती २ न वृ २ ति यईरु ६ ॐ क २ वृ व सा यईरु ६ ॐ
रु ६ ॥ ३ ता व तियईरु ६ ॐ द ह १ म ता हे ल वा यईरु ६ ॥ ४

154/

पयः वायु वायु गह दः ॐ ह क व स त धि ता क मा ता व वि न्य स ता ह कि म
 है दः ॐ ग २ स य या त ग त र ग ग स स वा त क य २ है दः ॐ स्या मा
 द वि य है दः ॐ आ वं २ स र द है दः ॐ कि २ रु कि क ल है दः ॐ ॐ २
 ए व ग म ता मी नी न्य है दः ॐ आ २ य क व है दः ॐ ॐ २ ए व ॐ ता य है दः ॐ
 ॐ कि रे ॐ लु नि य है दः ॐ ॐ २ य व मि नि य है दः ॐ कि लि म ल
 व त है दः ॐ ॐ यि लि २ रु क व ति नि य है दः ॐ ॐ यि पि २ म ल वि य है

४ ज त स य दः ॥ वा

दः ॐ का २ स्या य है दः ॐ व न् का स है दः ॐ ॐ स्या ना स है दः ॥ १२ क
 ना स्या य है दः ॐ क म दा ठि है दः ॥ क ल इ ति य है दः ॐ ॐ क म द वि नी य
 है दः ॥ क म थ नि य है दः ॐ ॐ द्रा ग ह न य है दः ॐ ॐ ग ह ना य है दः ॐ
 ग ह ना य है दः ॥ क ना क म द दः ॥ क न क स र व न स म द दः ॥ क लि क
 ना य य द दः ॥ स र ल ना त म द दः ॐ वि ना स नि नि य न मा म द ॥ थ
 न य य द ना य द्रा या रा ॥ श न स्र द स म स्या द थ ना ज न द ती ॥ ॐ व न व
 द ॥ व न ना क र व ॥ व न ना क म दः व न वा स दः व न स त दः व न ना व स

नाथ क ना य द

[illegible]

अरुगमनः काधमृताननाति सानेडा सान्नाग विविधतसयता
 अरुगयेकनृत्तामृतासमृदिता गिवायगतवसनाः वादश्रद्धाव
 नागसिन्दुतावनसततं॥ इहसकृपु सवदि॥ कुलिनायका॥ किम्या
 स्यानगरुडावसानकलगा॥ नानादिनीं धानादुनाशीसंघीधिवि
 धना॥ कलंगवाताहिकावक्रिनि॥ सवसिधियुदायका॥ अरुगवति
 दविनमः सवदायानिन्याखलभाहृन्तः सयात्रिनि सवसगा

सनिताः दिव्यना सुविन मया श्रीगिष्वातिवलि काः यत्रा नोद
कम कमानन श्रुतव तिलासि तागतलनाः स्यामा धूमलधूसना द
सततः वद सदा ताद दिश्रुता कलना कनते धातुक सा सद्य क
अतीत कस्या गिव न कन मन्क वरु जा गित्य ॥ कृतकालित म
नूमादि ॥ तमद्य मषि निल हित निखिल डीषा ॥ पुति दसया मि
पूनतल पुन कल संसल विदध तश्च वक खग क्रियाः तमन्ति

नसूत सस श्रुतमादमि कसतानि श्रुतमादितानि वासम कव
तिना मयामि ॥ किनल तादितितय गत्व समगतन सद्य सव न वा
धायितध श्रुत तल माग ॥ ७० ॥ दिश्रुता ॥ ७१ ॥ अहं अरिषा क यित
मासवत थगत अरिषा क माय कति धातुक न मासुता ॥ ददा मि
सद्य वृध नातिगता वय सस रुद ॥ ७२ ॥ तस्य वृधे नाश्रुता मा
क प्रकनाय क मकृत पद कु शारुद ॥ ७३ ॥ सद्य वृध मता म क

त्यतिरुसाहा॥ॐ वक्रधातुः श्रुतिः श्रुतिविदितमा॥ॐ सत्त्ववक्ति
ॐ सत्त्ववक्ति॥ॐ धम्मवक्ति॥ॐ मवक्ति॥ॐ श्रुतिविदितमा॥ॐ हे प्रजि
रव॥ॐ वक्रतस्याहा॥ अद्यादिष्यकप्रमसिद्धवक्रादिष्यकत॥
उतसवद्धत॥ॐ अक्रवक्रसुसिधय॥ॐ वक्रधियतित्वाप्रसिधि
यामि॥ॐ तिक्वक्रसमयसित्वाहा॥ अथॐ वक्रासवमरिषियाव
वक्रनामादिष्यकत॥ हे अम्रकवक्रत आगत रुवरुसुद्ध॥ अथ

ज्ञातमात्यनसाविता अद्विद्यनवातिना॥ॐ अश्रुतिविदितमा॥ॐ सत्त्ववक्ति
अयहे॥ सना॥ धनवद्धयुक्ता॥ अक्रवक्रनयाद्यादियुष्यहास॥ पयव्
धरुगतालकायवाद्यायमनाद्यपुतिरुसाहा॥ धनसानवाय॥ॐ
अममहावेनायनायसाहा॥ॐ अक्रासायसाहा अयसत्त्व
सरुवायसाहा॥ॐ अमृगारुवायसाहा॥ॐ अमृगसिद्धि
साहा॥ॐ ८ नायनायसाहा॥ मासकियसाहा॥ पादनायसाहा

ज्ञानवाय॥ अनयययज्ञानयज्ञ॥ तास्या॥ त्ति॥ अथ भावजन॥
मशीयकसंज्ञनाय॥ सव हृहान सदनरुगदथयुसाधकयि
नामनिगविहृताशीसमननमामिह॥ थनसमयधाताकाश
। अथनकनसयज्ञा॥ धययाय॥ रगवाशीशीसुवर्धकभावनवि
विद्यातकविश्वऽधनमाज्ञाकातज्ययुधविपदममाताशील
मिपेशाननभगनरुतात्रयस्या॥ वरुपनिशातयामिहृ

ततात्रापःकनसायति संखवरुप्रतिथायययसुगुष्टक्रिया
तात्राकृगुइवाकृ॥ सहित्यनःमलमप्रःप्रतिअवयत्॥ अतर्क
महायुःपत्रामतदकथ०ज्ञान॥ समयसमज्ञानसत्वम्यकता
तिरावययिगुया॥ थननिताजन॥ अथखडगायहंसवविद्युत
नरुहृक॥ यतप्रतिज्ञा॥ अथखडगायहंसविद्यातकतःसववि